केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा, देहरादून (2016-18) कोर्स के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों आफरी भ्रमण

केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा (CASFOS) देहरादून के 21 प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों (8 महिला प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों सहित) ने कोर्स डायरेक्टर (course Director) श्री अभिलाष दामोदरन, भा.व.से. के नेतृत्व में दिनांक 15 नवम्बर, 2016 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया । संस्थान के निदेशक श्री एन.के.वासु ने प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों को संबोधित करते हुए संस्थान की शोध गतिविधियों के बारे में बताया तथा शोध और फील्ड गतिविधियों में तालमेल की आवश्यकता प्रतिपादित की।

संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. टी.एस. राठौड़ ने संस्थान की शोध गतिविधियों से संबंधित जानकारी, जिसमें कृषि वानिकी (Agro forestry), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stablization), वनीकरण, मृदा एवं जल संरक्षण हेतु सूक्ष्म निर्माण संरचनाऐं (Micro Structure for Afforestation, Soil & Water Conservation), जैवविविधता मूल्यांकन (Biodiversity Assessment) नमक प्रभावित शुष्क भूमियों का पुनर्वासन (Rehabilitation of Salt Affected Arid Lands), चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कच्छ के रण में नमक को सहन करने वाली चारे की प्रजातियों के परिचयात्मक ट्राइल (Introduction Trial of Salt Tolerant Fodder Species in Ran of Kachh for Increased Fodder Availability), जलप्लावित क्षेत्रों के पुनर्वासन हेतु जैव जल निकास (Bio drainage to Reclaim Water Logged Area), जल प्रबन्धन (water management), बीज परीक्षण विधियों के लक्षण एवं विकास का अध्ययन, (Studies on Traits & Development of Seed Testing Protocols), औषधीय पौधों का अध्ययन (Studies on medicinal plants), उत्पादकता वृद्धि हेतु ए.एम.एफ/जैव उर्वरक की भूमिका (Role of AMF/Biofertilizers for Productivity Enhancement), गुग्गल नेटवर्क परियोजना (Guggal Network Project) वृद्धि एवं प्राप्ति मॉडलिंग (Growth & Yield modeling), शहरी सौंन्दर्यकरण वनीकरण (Urban Aesthetic Afforestation), रोपण सामग्री सुधार (Planting Stock Improvement), प्रोवनेन्स ट्राइल (Provenance Trial), प्रोजेनी ट्राइल (Progeny Trials), वानस्पतिक संवर्धन तकनीक (Vegetation Propagation Technique) इत्यादि विषयों से संबंधित

जानकारी सम्मिलित है, प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। डॉ. राठौड़ ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों ने संस्थान की आणविक जैव विज्ञान (Molecular Biology) तथा ऊत्तक संवर्धन (Tissue culture) प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर वहाँ के अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली।

इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध कार्यो संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया । यहाँ कृषि वानिकी के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों को अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन (Restoration of Degraded Hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stablization), जलप्लावित क्षेत्रों का पुनर्वासन (Restoration of Water Logged Area), नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन (Restoration of Salt Affected Lands), कृषि वानिकी (Agro Forestry), सिल्वीपेस्टोरल (Silvipastoral) इत्यादि से संबंधित जानकारी दी । श्री चौधरी ने वृक्षों के परोक्ष एवं अपरोक्ष लाभों की जानकारी हेतु वर्तमान पर्यावरणीय परिदृष्य में इसकी महत्ता बताते हुए अपने संबोधन में पॉलीथीन के दुष्प्रभाव का भी जिक्र किया।

भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीकी सहायक एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद